नंदिग्राम टाईम्स

RNI NO. MAHHIN/2016/69743 EDITOR : SHAIKH JAHUR AHEMAD

Friday 16th January 2026 | ● वर्ष - 9 | ● अंक 261 | ● पृष्ठ 04 | ● मूल्य - 2 रूपए | ● www.nandigramtimes.com

बंगाल, राजस्थान, गोवा, लक्षद्वीप और पुडुचेरी में SIR की अंतिम तिथि 19 जनवरी तक बढ़ी

नई दिल्ली – भारत निर्वाचन आयोग (ECI) ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (Special Intensive Revision – SIR) की समयसीमा को पश्चिम बंगाल, राजस्थान, गोवा, लक्षद्वीप और पुडुचेरी में 19 जनवरी 2026 तक बढ़ा दिया है। आयोग ने निर्णय किया है कि इन प्रदेशों और केंद्रशासित प्रदेशों में दावा और आपत्ति दाखिल करने की अंतिम तारीख अब 19 जनवरी तक रहेगी, ताकि बड़ी संख्या में योग्य मतदाता अपने विवरण की पुष्टि या सुधार कर सकें।

निर्णय का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि मतदाता सूची अधिक व्यापक, सटीक और अपडेटेड रहे, ताकि आगामी चुनावों में हर योग्य नागरिक का नाम सूची में शामिल हो। नई समयसीमा के तहत मतदाता Form-6 के माध्यम से नाम जोड़ने या विवरण में सुधार के लिए अधिक समय पा सकेंगे। ECI ने प्रत्येक राज्य/संघ शासित प्रदेश के मुख्य चुनाव अधिकारियों (CEOs) को निर्देश दिए हैं कि वे इस विस्तार की व्यापक रूप से जागरूकता फैलाएँ, ताकि मतदाता-जागरूकता सुनिश्चित हो सके। इसके लिए मीडिया, बूथ-स्तरीय कर्मियों और ई-प्लेटफॉर्म का उपयोग करने को कहा गया है।

विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) एक राष्ट्रीय स्तर की पहल है जिसका लक्ष्य मतदाता सूची में नामों की सत्यापन, त्रुटियों का सुधार और डुप्लीकेट/अप्रासंगिक नामों को हटाना है। समय सीमा बढ़ाने से अब लोग अंतिम मौके पर भी अपनी सदस्यता दर्ज करा पाएंगे और भविष्य के चुनावों में मतदान का अधिकार सुरक्षित रख सकेंगे।

मतदाता आयोग का यह कदम लोकतांत्रिक प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और समावेशी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है, जिससे संभावित मतदाता-वंचित होने की संभावना कम होगी।

BMC ELECTION | बीएमसी में ठाकरे ब्रदर्स को झटका, BJP-शिंदे सेना को प्रचंड बहुमत, देखें एग्जिट पोल के नतीजे

BMC Exit Poll 2026: मराठी मुद्दे पर आए साथ, भूले गिले-शिकवे पर एग्जिट पोल ने दिया झटका, बीजेपी-शिंदे के आगे नहीं चली ठाकरे ब्रदर्स की जोड़ी

मुंबई | (विशेष संवाददाता) – बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव 2026 के एग्जिट पोल के नतीजों ने महाराष्ट्र की राजनीति में भूचाल ला दिया है। एग्जिट पोल में संकेत दिया गया है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का गठबंधन (महेयुति) इस बार बीएमसी में प्रचंड बहुमत प्राप्त कर सकता है, जबकि उद्धव ठाकरे-राज ठाकरे के गठबंधन को अपेक्षा से कमजोर प्रदर्शन का अनुमान है।

Exit Poll सर्वेक्षणों के अनुसार, **बीजेपी-शिंदे सेना गठबंधन को करीब 131 से 151 सीटों तक जीत का अनुमान है, जो कुल 227 सीटों वाले बीएमसी में स्पष्ट बहुमत है। वहीं उद्धव ठाकरे-राज ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना (UBT)-MNS गठबंधन को लगभग 58 से 68 सीटों के बीच सीटें मिलने का अनुमान व्यक्त किया गया है। कांग्रेस-नेता वाले गठबंधन को केवल 12 से 16 सीटें, और अन्य दलों को 6 से 12 सीटें मिल सकती हैं।

एग्जिट पोल के आंकड़ों का विश्लेषण करें तो महायुति को लगभग 42% वोट शेयर मिलने का अनुमान जताया गया है, जो कि विपक्षी गठबंधनों की तुलना में बेहतर स्थिति दर्शाता है। इसके विपरीत, ठाकरे-MNS गठबंधन को लगभग 32% वोट शेयर मिलता दिखाई दे रहा है, जबकि कांग्रेस-संघीय गठबंधन लगभग 13% वोट शेयर के आसपास रह सकता है।

ये एग्जिट पोल नतीजे राजनीतिक विशेषज्ञों के लिए संकेत हैं कि मुंबई के मतदाता इस बार विकास और प्रशासनिक स्थिरता पर जोर दे रहे हैं, जिससे महायुति के पक्ष में वोट अधिक दिख रहे हैं। ठाकरे ब्रदर्स की मराठी भावना और समन्वय रणनीति इस बार मतदाताओं पर अपेक्षित असर नहीं दिखा पा रही है, जिससे उन्हें राजनीतिक झटका लग सकता है।

मुख्य रूप से यह चुनाव बीएमसी के 227 वार्डों के लिए लड़ा गया है और बहुमत के लिए 114 सीटों का आंकड़ा महत्वपूर्ण माना जाता है। एग्जिट पोल के अनुमान के मुताबिक महायुति इस आंकड़े से काफी ऊपर जा रही है, जिससे भाजपा का पहला मेयर भी बीएमसी में बैठने की संभावना दिख रही है।

हालांकि एग्जिट पोल केवल मतदान के तुरंत बाद मतदाताओं से लिए गए रुझानों का अनुमान होता है, आधिकारिक परिणाम 16 जनवरी को मतगणना के बाद घोषित होंगे, तभी वास्तविक तस्वीर साफ होगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि एग्जिट पोल बताई गई रुझान जैसी रही, तो यह ठाकरे-गठबंधन के लिए एक बड़ा राजनीतिक झटका साबित होगा और महायुति की स्थिति और अधिक मजबूत होगी।

ये नतीजे बीएमसी चुनाव के भारी सुरक्षा इंतजाम, चुनावी रणनीतियों और राजनीतिक गठबंधनों पर उठ रहे बहस के बीच आए हैं, जिससे यह स्पष्ट होता है कि मुंबई की राजनीति में अगले कुछ सालों के लिए सत्ता संतुलन बदल सकता है।

अमेरिका में इमिग्रेशन एजेंट की कार्रवाई जारी, मिनियापोलिस में एक और व्यक्ति को गोली लगी

मिनियापोलिस- अमेरिका में इमिग्रेशन और कस्टम्स एनफोर्समेंट (ICE) एजेंटों द्वारा प्रवासियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के दौरान बुधवार रात मिनियापोलिस में एक व्यक्ति को पैर में गोली लगी है। अधिकारियों के मुताबिक यह व्यक्ति वेनेजुएला का नागरिक था और एक लक्षित ट्रैफिक स्टॉप ऑपरेशन के दौरान भागने की कोशिश में संघर्ष के समय गोली ब मूलतः आत्मरक्षा में दागी गई मानी जा रही है।

घायल व्यक्ति को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। घटना के दौरान एजेंट पर फावड़ा और बर्तन से हमला करने की भी बात सामने आई है, जिसके बाद एजेंट ने खुद की रक्षा के लिए गोली चलाई। यह घटना मिनियापोलिस में ICE की कार्रवाई के खिलाफ विद्रोह और विरोध प्रदर्शन के बीच हुई है, जहां कुछ हफ्ते पहले एक महिला की ICE एजेंट द्वारा हत्या के बाद से तनाव बढ़ा हुआ है। स्थानीय अधिकारियों ने सार्वजनिक शांति बनाए रखने की अपील की है और सभी पक्षों से शांतिपूर्ण बने रहने का आग्रह किया है।

नागपुर महानगरपालिका चुनाव 2026: 156 प्रभागों में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न, परिणामों पर सबकी नज़र टिकी

नागपुर (विशेष संवाददाता) – नागपुर महानगरपालिका (NMC) चुनाव 2026 के लिए गुरुवार को मतदान शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हो गया, जिसमें शहर के 156 प्रभागों में मतदाता सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके हैं। नतीजों की घोषणा शुक्रवार को मतगणना के बाद की जाएगी, और पूरा शहर परिणामों की ओर उत्सुकता से देख रहा है। इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया में मतदाताओं का उत्साह सुबह से ही देखने को मिला, जबकि प्रशासन ने मतदान केंद्रों पर कड़े सुरक्षा इंतजाम किए थे।

नागपुर के मतदाता इस चुनाव को लोकतंत्र का उत्सव मानते हुए वोट देने पहुंचे। शहर में कुल 24 लाख से अधिक मतदाता पंजीकृत है, जिनमें पुरुष और महिलाएं लगभग बराबर संख्या में शामिल हैं। अधिकारिक सूत्रों के अनुसार मतदान समाप्ति तक लगभग 51% मतदान रिकॉर्ड हुआ है, जिससे यही संकेत मिलता है कि मतदाता अपेक्षित उत्साह के साथ मतदान प्रक्रियाओं में भाग ले रहे हैं।

मतदान के दौरान कई राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियां भी सुर्खियों में रहीं। केंद्रीय नेता नितिन गडकरी ने वोट डालते समय कहा कि नागपुर के नागरिकों ने भाजपा को पहले भी समर्थन दिया है और उन्हें उम्मीद है कि इस बार भी पार्टी रिकॉर्ड जीत दर्ज करेगी। उन्होंने मतदाताओं से मतदान के महत्व को समझते हुए अपने मताधिकार का उपयोग करने की अपील की।

हालांकि मतदान आमतौर पर शांतिपूर्ण रहा, पर कुछ शिकायतें भी सामने आईं। राज्य भर के कई मतदान केंद्रों पर मतदाताओं ने आरोप लगाया कि उपयोग किए गए स्याही मार्क को आसानी से धोया जा सकता है, जिससे चुनाव की पारदर्शिता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस मुद्दे ने चुनाव प्रक्रिया और जनमानस के बीच बहस को हवा दी है।

मतदान के बीच एक तकनीकी समस्या भी सामने आई जिसमें वार्ड 30 के एक मतदान केंद्र पर बैलेट यूनिट में खराबी आ गई थी। चुनाव अधिकारियों ने तुरंत तकनीकी टीम को बुलाकर उस यूनिट को बदल दिया ताकि मतदान बिना किसी बाधा के जारी रह सके। इस तत्परता को प्रशासकीय दक्षता का सकारात्मक उदाहरण बताया जा रहा है।

इस चुनाव में भाजपा, कांग्रेस, शिवसेना सहित कई राजनीतिक पार्टियाँ, और स्वतंत्र उम्मीदवार शहर में भविष्य की दिशा तय करने के लिए मैदान में हैं। कई स्थानों पर कड़ी राजनीतिक टक्कर दिखाई दे रही है, जिससे स्थानीय विकास और नागरिक सेवाओं के मुद्दों पर मतदाता की प्राथमिकता भी झलक रही है।

प्रचार थमते ही राजनीतिक सरगर्मी चरम पर पहुंच गई थी और मतदान दिवस को "मतदाता उत्सव" के रूप में देखा गया। कई प्रभागों में अनुभवी और नई राजनीति की टक्कर ने इस चुनाव को और अधिक रोचक बनाया है। अब सभी की निगाहें शुक्रवार के परिणामों पर टिकी हैं, जब मतगणना के बाद विजयी उम्मीदवारों का फैसला साफ हो जाएगा।

ओडिशा बौद्ध सर्किट: प्रमुख स्थलों पर आधुनिक शोध योजना

ओडिशा सरकार ने राज्य के प्रमुख बौद्ध धरोहर स्थलों को भारत के बौद्ध पर्यटन सर्किट से जोड़ने की रणनीति तैयार की है। उपमुख्यमंत्री प्रभाति परिड़ा ने बताया कि रत्नागिरि, ललितगिरि, उदयगिरि, जिरांग और धौली जैसे ऐतिहासिक स्थलों के लिए समग्र विकास, हेरिटेज संरक्षण और आधुनिक शोध की पहल शुरू की जा रही है। इसके लिए Light of Buddha Foundation के साथ समझौता किया गया है और एक विशेषज्ञ समिति भी गठित की जाएगी।

सरकार का उद्देश्य इन प्राचीन बौद्ध स्थलों को राष्ट्रीय बौद्ध पर्यटन सर्किट से जोड़कर अंतरराष्ट्रीय एवं देशी पर्यटकों को आकर्षित करना है। इससे न सिर्फ सांस्कृतिक पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

इन स्थलों में रत्नागिरि, ललितगिरि और उदयगिरि को 'डायमंड ट्रायंगल' के नाम से भी जाना जाता है और ये प्राचीन महाविहार तथा बौद्ध कला-संस्कृति के प्रमुख उदाहरण हैं। राज्य सरकार की यह पहल ओडिशा के बौद्ध सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक स्तर पर पहचान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

क्या पाकिस्तानी नागरिक सीमा हैदर भारत में वोट डाल सकती हैं? जानें SIR और नागरिकता के नियम

NEWS AGENCY |

नई दिल्ली (विशेष संवाददाता) – सोशल मीडिया पर यह सवाल वायरल हो रहा है कि पाकिस्तान से आई सीमा हैदर क्या भारत में वोट डाल सकती हैं और क्या वे SIR (Special Intensive Revision) के तहत फॉर्म-6 भर सकती हैं? इस विषय पर साफ़ किया गया है कि भारत में मतदान का अधिकार केवल भारतीय नागरिकों को ही प्राप्त है, जिनकी उम्र 18 वर्ष या उससे अधिक हो और जिनका नाम मतदाता सूची में दर्ज हो। इसलिए सीमा हैदर, जो पाकिस्तान की नागरिक हैं, फिलहाल भारत में वोट नहीं दे सकतीं।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने या संशोधन करने के लिए फॉर्म-6 भरा जाता है, लेकिन यह भी केवल भारतीय नागरिकों के लिए संभव है। SIR का उद्देश्य मतदाता सूची को अपडेट करना है, न कि नागरिकता देना। इसलिए बिना भारतीय नागरिकता के किसी भी व्यक्ति को मतदाता सूची में नाम दर्ज करने का अधिकार नहीं है।

सीमा हैदर ने भारतीय युवक से शादी की है और उन्होंने नागरिकता के लिए आवेदन भी किया है, लेकिन जनवरी 2026 तक उनकी नागरिकता मंजूर नहीं हुई है, इसलिए वे वोटर सूची में शामिल नहीं हो सकतीं और मतदान नहीं कर सकतीं। संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत मतदान का अधिकार भारतीय नागरिकों को ही सुनिश्चित किया गया है। अन्य देशों के नागरिक, चाहे वे भारत में स्थायी रूप से रहते हों, उन्हें मतदाता सूची में नाम जोड़ने या मतदान का अधिकार नहीं मिलता।

इसलिए फिलहाल सीमा हैदर के भारत में वोट डालने की कोई वैधानिक संभावना नहीं है, जब तक कि उन्हें भारतीय नागरिकता नहीं मिल जाती।

मतदान के बीच विवाद: संजय राउत ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पर लगाया आचार संहिता उल्लंघन का आरोप

मुंबई (विशेष संवाददाता) – महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनाव के मतदान के दौरान एक राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है, जिसमें शिवसेना (UBT) नेता और सांसद संजय राउत ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राउत ने दावा किया है कि चुनाव के बीच मतदान केंद्र पर चव्हाण ने छाती पर 'कमल' का चुनाव चिन्ह लगाए हुए वोट डाला, जो चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता को प्रभावित कर सकता है।

राउत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (Twitter) पर अपनी प्रतिक्रिया में लिखा कि क्या चुनाव आयोग "सो रहा है" या "बिक गया है", जब भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने इस तरह का कदम उठाया। उन्होंने मोदी सरकार और चुनाव आयोग से आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। राउत ने कहा कि ऐसे व्यवहार से मतदाताओं की सोच पर गलत संदेश जाता है और यह लोकतंत्र की भावना के खिलाफ है।

रवींद्र चव्हाण ने गुरुवार सुबह डोंबिवली के मतदान केंद्र पर परिवार सहित वोट डाला था। तस्वीरों और वीडियो में चव्हाण को बीजेपी का 'कमल' चिन्ह अपने सीने पर पिन किया हुआ दिखाया गया, जिसे राउत ने सीधा चुनावी आचरण के नियमों का उल्लंघन बताया है। राउत ने यह भी कहा कि अगर चुनाव आयोग निष्क्रिय रहता है, तो इससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया को खतरा हो सकता है।

इस विवाद ने चुनाव के साथ जुड़ी राजनीतिक लड़ाई को और अधिक गरमा दिया है। विपक्षी दल लगातार यह आरोप लगाते रहे हैं कि भाजपा चुनाव नियमों का सही पालन नहीं कर रही और सत्ता के नजदीक होने के नाते स्वयं को आगे रख रही है। राउत के आरोपों के बाद भाजपा की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि यह मामला मतदाता मनोवृत्ति और चुनाव कनिष्ठता की भावना पर असर डाल सकता है, खासकर तब जब चुनाव आयोग के निर्णयों और नियंत्रण पर बहस चल रही है। अगर चुनाव आयोग इस पर में उचित कार्रवाई नहीं करता है, तो यह चुनाव प्रक्रिया में विश्वास को प्रभावित कर सकता है।

यह विवाद नगर निकाय चुनावों के दौरान सामने आया है और इससे राजनीतिक दलों के बीच तनाव और बयानबाज़ी तेज हो गई है। अब सभी की निगाहें इस बात पर हैं कि चुनाव आयोग इस मामले में क्या कदम उठाता है, जिससे चुनाव के निष्पक्ष और निष्कर्षात्मक परिणाम को सुनिश्चित किया जा सके।

RJD का बड़ा आरोप: प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना में घोटाला, हाई कोर्ट से जांच की मांग

बर्फ में बदल गया वासुकि ताल, बर्फ में बदल गया वासुकि ताल,

पटना (विशेष संवाददाता) – राष्ट्रीय जनता दल (RJD) ने प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (PMKVY) के तहत भ्रष्टाचार और धन के दुरुपयोग का गंभीर आरोप लगाते हुए बिहार और हाई कोर्ट से मामले की गहन न्यायिक जांच की मांग की है। पार्टी का कहना है कि योजना में बड़े पैमाने पर अनियमितताएँ और घोटाले सामने आए हैं, जो युवाओं के अधिकार और करदाताओं के धन के साथ धोखा है।

राजनीतिक पटल पर RJD नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के कार्यान्वयन में पंजीकरण, प्रशिक्षण तथा प्लेसमेंट प्रक्रियाओं के दौरान बहुत बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार हुआ है, और इसके कारण योजना का मूल उद्देश्य — युवाओं को कौशल प्रदान कर रोजगार दिलाना — प्रभावित हुआ है।

RJD का दावा है कि सीएजी (CAG) की ताज़ा रिपोर्ट में स्पष्ट संकेत मिले हैं कि कई बेनिफिशियरी के बैंक खाते, मोबाइल नंबर और ईमेल पते फर्जी पाए गए हैं, और मूल्यांकनकर्ताओं (Assessors) की जानकारी भी संदिग्ध पाई गई है, जिससे योजना का वास्तविक प्रभाव और पारदर्शिता सवालों के घेरे में है।

इस मामले को लेकर RJD नेताओं ने कहा कि जब योजना में करोड़ों रुपये का निवेश किया गया है, तो इसकी निष्पक्ष और गहन जांच होना आवश्यक है, ताकि पता चल सके कि यही कांग्रेस, RJD या अन्य दलों द्वारा उठाई जाने वाली जांच निगरानी की मांग क्यों महत्वपूर्ण है।

RJD की मांग है कि हाई कोर्ट इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए संपूर्ण जांच की निगरानी करे ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि योजना के तहत वितरित धन का कोई भी हिस्सा गलत तरीके से उपयोग नहीं हुआ।

विश्लेषकों का अनुमान है कि यदि यह मामला अदालत में जाता है, तो इससे केंद्रीय योजनाओं की निगरानी प्रक्रियाओं, सरकार की जवाबदेही और भ्रष्टाचार रोधी तंत्रों पर विस्तृत बहस शुरू हो सकती है। यह आरोप खासकर तब आया है जब सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और उनके प्रभाव को लेकर आम जनता में बढ़ती संवेदनशीलता देखी जा रही है। इस आरोप को लेकर केंद्र सरकार या कौशल विकास विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक टिप्पणी सामने नहीं आई है। मामले की सुनवाई और हाई कोर्ट की प्रतिक्रिया आने पर आगे की स्थिति स्पष्ट होगी।

महाराष्ट्र के नगर निगम चुनाव: जनादेश, शहरी लोकतंत्र और राजनीति की अगली दिशा

संपादकीय...।

महाराष्ट्र में 15 जनवरी 2026 को 29 नगर निगमों के लिए हुआ मतदान केवल स्थानीय निकायों का चुनाव नहीं था, बल्कि यह शहरी भारत के लोकतांत्रिक मिज़ाज और राज्य की राजनीति की भावी दिशा का एक महत्वपूर्ण संकेतक भी है। देश की सबसे बड़ी और आर्थिक रूप से सबसे सशक्त महानगरपालिका — बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) — के कारण इन चुनावों पर पूरे देश की निगाहें टिकी रहीं। लंबे अंतराल के बाद हुए इन चुनावों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि शहरी मतदाता अब केवल स्थानीय मुद्दों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि व्यापक राजनीतिक स्थिरता, प्रशासनिक क्षमता और भविष्य की दिशा को भी ध्यान में रखकर मतदान कर रहा है।

राज्य चुनाव आयोग के अनुसार, मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ और शाम तक औसतन लगभग 46 से 50 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। यह प्रतिशत भले ही अत्यधिक उत्साहजनक न लगे, लेकिन पिछले नगर निगम चुनावों की तुलना में इसे एक सुधार के रूप में देखा जा सकता है। विशेष रूप से दोपहर के बाद मतदान में आई तेजी यह दर्शाती है कि शहरी मतदाता अब भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भूमिका को गंभीरता से ले रहा है, भले ही शुरुआती घंटों में उदासीनता दिखाई दी हो।

इन चुनावों का केंद्र बिंदु मुंबई रहा। बीएमसी केवल एक नगर निगम नहीं, बल्कि देश का सबसे बड़ा शहरी प्रशासनिक तंत्र है, जिसका वार्षिक बजट कई राज्यों के बराबर माना जाता है। ऐसे में बीएमसी पर नियंत्रण राजनीतिक दलों के लिए न केवल प्रतिष्ठा का विषय है, बल्कि शहरी विकास, बुनियादी ढांचे और नागरिक सुविधाओं की दिशा तय करने का अवसर भी है। शिवसेना में विभाजन के बाद पहली बार हुए इस चुनाव को ठाकरे गुट की राजनीतिक पकड़ और महायुति गठबंधन की शहरी स्वीकार्यता की कसौटी के रूप में देखा जा रहा है।

मतदान समाप्त होते ही सामने आए एग्ज़िट पोल संकेतों ने यह जरूर बताया है कि महायुति गठबंधन को कई प्रमुख नगर निगमों में बढ़त मिल सकती है, विशेष रूप से मुंबई में। हालांकि, राष्ट्रीय संपादकीय दृष्टि से यह याद रखना आवश्यक है कि एग्ज़िट पोल अंतिम निर्णय नहीं होते। वे केवल मतदाताओं के तत्काल रुझान को दर्शाते हैं, जबकि वास्तविक जनादेश का निर्धारण मतगणना के बाद ही होता है। भारतीय लोकतंत्र का इतिहास इस बात का साक्षी है कि कई बार एग्ज़िट पोल और वास्तविक परिणामों के बीच स्पष्ट अंतर देखा गया है।

इन चुनावों का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी रहा कि मतदाता किन मुद्दों पर प्रतिक्रिया दे रहा है। शहरी क्षेत्रों में सड़क, जलापूर्ति, सार्वजनिक परिवहन, कचरा प्रबंधन और आवास जैसे मुद्दे हमेशा से केंद्र में रहे हैं, लेकिन इस बार राजनीतिक स्थिरता और प्रशासनिक दक्षता जैसे व्यापक प्रश्न भी मतदान व्यवहार को प्रभावित करते दिखे। शहरी मतदाता यह संकेत दे रहा है कि वह केवल वादों से नहीं, बल्कि शासन की क्षमता और क्रियान्वयन से संतुष्ट होना चाहता है।

चुनाव आयोग द्वारा किए गए सुरक्षा और निगरानी प्रबंधों ने भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता को मजबूत किया। मतदान केंद्रों पर पर्याप्त सुरक्षा बलों की तैनाती, ईवीएम की निगरानी और मतदाता पहचान की सख्ती ने यह सुनिश्चित किया कि चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी रहें। कुछ स्थानों पर सामने आए आरोप-प्रत्यारोपों के बावजूद, समग्र रूप से चुनाव प्रक्रिया पर किसी बड़े व्यवधान की रिपोर्ट नहीं आई, जो लोकतंत्र के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखें तो महाराष्ट्र के ये नगर निगम चुनाव आने वाले वर्षों की राजनीति के लिए संकेतक की भूमिका निभा सकते हैं। शहरी भारत की राजनीतिक पसंद अक्सर राज्य और राष्ट्रीय राजनीति की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाती है। यदि एग्ज़िट पोल में दिख रहे रुझान परिणामों में बदलते हैं, तो यह स्पष्ट होगा कि शहरी मतदाता गठबंधन राजनीति और स्थिर शासन को प्राथमिकता दे रहा है। वहीं, यदि परिणाम अपेक्षाओं से भिन्न आते हैं, तो यह विपक्षी दलों के लिए आत्ममंथन और पुनर्गठन का अवसर भी बन सकता है।

इन चुनावों से एक और महत्वपूर्ण संदेश निकलता है — शहरी स्थानीय निकायों की भूमिका को अब हल्के में नहीं लिया जा सकता। स्मार्ट सिटी, मेट्रो, डिजिटल सेवाएं और सतत विकास जैसे राष्ट्रीय एजेंडे सीधे नगर निगमों की कार्यक्षमता से जुड़े हुए हैं। ऐसे में इन संस्थाओं का सशक्त और जवाबदेह होना लोकतंत्र की सेहत के लिए अनिवार्य है।

अब जब 16 जनवरी 2026 को मतगणना होनी है, तो पूरे देश की निगाहें अंतिम परिणामों पर होंगी। लेकिन परिणाम चाहे जो हों, यह चुनाव एक बात स्पष्ट करता है — भारतीय लोकतंत्र में शहरी मतदाता अब अधिक जागरूक, अपेक्षाकृत विवेकशील और दीर्घकालिक सोच के साथ मतदान कर रहा है। यही प्रवृत्ति लोकतंत्र को केवल संख्या का खेल नहीं, बल्कि जनभागीदारी की सशक्त प्रक्रिया बनाती है।

अंततः, महाराष्ट्र के नगर निगम चुनाव हमें यह याद दिलाते हैं कि लोकतंत्र की मजबूती केवल विधानसभाओं या संसद से नहीं, बल्कि नगर निगमों और स्थानीय निकायों से भी तय होती है। शहरी शासन जितना सक्षम और उत्तरदायी होगा, लोकतंत्र उतना ही मजबूत होगा। यही इस चुनाव का सबसे बड़ा संदेश है।

श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी और संत नामदेव : भारतीय संत परंपरा में धर्म, मानवता और बलिदान का अद्वितीय संगम

विशेष लेख—

नांदेड में 24 और 25 जनवरी 2026 को आयोजित होने जा रहे हिंद-दी-चादर श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी के 350वें शहीदी समागम के अवसर पर भारतीय संत परंपरा के दो महान स्तंभ—श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी और संत नामदेव महाराज—की विचारधारा, त्याग और मानवतावादी दृष्टि का स्मरण स्वाभाविक रूप से प्रासंगिक हो उठता है। यद्यपि दोनों महापुरुष अलग-अलग युगों और क्षेत्रों में अवतरित हुए, फिर भी उनके विचार भारतीय आध्यात्मिक चेतना की एक ही अविरल धारा से जुड़े हुए दिखाई देते हैं।

भारतीय संत परंपरा विविधता में एकता का जीवंत उदाहरण है। इसी परंपरा में महाराष्ट्र की धरती से निकले वारकरी संप्रदाय के महान संत नामदेव महाराज और सिख धर्म के नवें गुरु, हिंद-दी-चादर श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। दोनों ही महापुरुषों ने धर्म, मानवता, समता और नैतिक मूल्यों की रक्षा के लिए अपने-अपने मार्ग चुने, किंतु लक्ष्य एक ही रहा —मानव कल्याण।

संत नामदेव महाराज 13वीं-14वीं शताब्दी के महान भक्त संत थे। उन्होंने विठ्ठल भक्ति के माध्यम से समाज में समता, करुणा और नामस्मरण का संदेश दिया। जाति-पाति, ऊँच-नीच जैसे भेदभाव को नकारते हुए उन्होंने आम जनमानस को ईश्वर से सीधे जुड़ने का अधिकार दिया। उनके अभंगों में मानवता, प्रेम, सामाजिक एकता और सर्वधर्म समभाव की भावना स्पष्ट रूप से झलकती है। संत नामदेव की ख्याति केवल महाराष्ट्र तक सीमित नहीं रही, बल्कि उत्तर भारत तक फैली। उनके अनेक अभंग पंजाबी भाषा में भी उपलब्ध हैं, जो उनकी व्यापक स्वीकार्यता को दर्शाते हैं।

दूसरी ओर, 17वीं शताब्दी में श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी ने धर्मस्वातंत्र्य और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। तत्कालीन शासकीय अत्याचारों के विरुद्ध खड़े होकर उन्होंने कश्मीरी पंडितों के धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि धर्म केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी है। धर्म के लिए शीश कटाया जा सकता है, पर आत्मसम्मान और सत्य से समझौता नहीं—यही उनका जीवन संदेश रहा। इसी कारण उन्हें हिंद-दी-चादर की गौरवपूर्ण उपाधि प्राप्त हुई।

यद्यपि संत नामदेव और श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी के कालखंड में लगभग तीन शताब्दियों का अंतर है, फिर भी उनके विचारों में अद्भुत समानता दिखाई देती है। दोनों ने ईश्वर की एकता, मानव मूल्य, धार्मिक सहिष्णुता और अन्याय के प्रतिकार पर बल दिया। संत नामदेव ने भक्ति के माध्यम से समाज को जोड़ा, जबकि गुरु तेग बहादुर साहिबजी ने त्याग और बलिदान के माध्यम से धर्मरक्षा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया।

भारतीय संत परंपरा की सांस्कृतिक एकात्मता का सबसे सुंदर उदाहरण यह है कि संत नामदेव महाराज के अभंग सिख धर्म के पवित्र ग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब में स्थान पाते हैं। यह तथ्य दर्शाता है कि भारतीय आध्यात्मिक परंपरा किसी एक धर्म या संप्रदाय तक सीमित नहीं, बल्कि वह समावेशी और सर्वमानविक दृष्टि रखती है।

आज के समय में, जब समाज अनेक प्रकार की धार्मिक और सामाजिक चुनौतियों से गुजर रहा है, तब श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी और संत नामदेव महाराज के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। धार्मिक सहिष्णुता, सामाजिक सौहार्द, मानवाधिकार और नैतिक मूल्यों की रक्षा के लिए उनके जीवन से प्रेरणा लेना समय की आवश्यकता है। गुरु तेग बहादुर साहिबजी का बलिदान और संत नामदेव की भक्ति परंपरा भारतीय समाज के लिए एक मार्गदर्शक दीपस्तंभ के समान है।

350वें शहीदी समागम के अवसर पर महाराष्ट्र ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष में विविध जनजागरण कार्यक्रमों के माध्यम से इन महान विभूतियों को श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। यह आयोजन न केवल स्मरण का, बल्कि उनके विचारों को आत्मसात कर समाज में उतारने का संकल्प लेने का भी अवसर है।

(विशेष लेख)—
चंद्रकांत कारभारी
उपसंपादक, जिला सूचना कार्यालय, हिंगोली
(स्रोत ज़िला माहिती कार्यालय नांदेड़)

WORLD NEWS | ईरान को एक मौका और मिले...

ईरान को एक मौका और मिले... सऊदी-कतर-ओमान की अमेरिका से अपील, क्या मानेंगे ट्रंप?

● NEWS AGENCY

सऊदी अरब, कतर और ओमान ने ट्रंप को ईरान पर हमला करने से रोकने के लिए बातचीत की कोशिशें की है। इन देशों को डर है कि अगर अमेरिका ईरान पर हमला करता है तो इससे मध्य पूर्व अस्थिर होगा और सुरक्षा को भी खतरा पैदा हो सकता है। अमेरिका ने ईरान को सैन्य कार्रवाई की चेतावनी दी है।

वॉशिंगटन: सऊदी अरब, कतर और ओमान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ईरान पर हमला न करने के लिए मनाने की कोशिश की है। उन्हें डर है कि अगर अमेरिका ईरान पर हमला करता है, तो इससे पूरा मध्य पूर्व अस्थिर हो जाएगा। उन्हें अभी से क्षेत्र में गंभीर नतीजों का डर सता रहा है। ऐसे में इन तीनों देशों ने अमेरिका से शांति बरतने और इंतजार करने की अपील की है। ट्रंप ने ईरान को कई बार हमले की धमकी दी है।

ईरान को मौका देने की गुजारिश

एक वरिष्ठ सऊदी अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया है कि खाड़ी के इन तीनों देशों ने "राष्ट्रपति ट्रंप को यह समझाने के लिए आखिरी समय में एक लंबी, जोरदार, राजनयिक कोशिश की कि वे ईरान को अच्छे इरादे दिखाने का मौका दें।" उन्होंने आगे कहा, "बनाए गए भरोसे और मौजूदा अच्छे माहौल को मज़बूत करने के लिए बातचीत अभी भी जारी है।"

ट्रंप पर हमले की तस्वीर शेयर कर ईरान ने दी धमकी

ईरान ने एक तस्वीर के जरिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी दे दी है। ईरान ने 2024 में पेन्सिलवेनिया में ट्रंप पर हुए जानलेवा हमले की एक तस्वीर दिखाई,

ईरान को एक मौका और मिले...

जिसमें उन्हें एक कैंपेन रैली में मारने की कोशिश करते हुए दिखाया गया था। साथ ही चेतावनी दी गई, "इस बार निशाना चूकेगा नहीं।" फारसी से ट्रांसलेट किए गए इस मैसेज की तस्वीरें कई मीडिया रिपोर्ट्स के जरिए तेजी से ऑनलाइन फैलीं और ईरान के सरकारी टेलीविजन पर भी दिखाई गईं। यह ब्रॉडकास्ट ट्रंप की बार-बार दी गई चेतावनियों के बाद आया है।

ट्रंप की ईरान को दो टूक चेतावनी

डेट्रॉइट इकोनॉमिक क्लब में अपने भाषण में ट्रंप ने कहा, "जब तक प्रदर्शनकारियों की बेमतलब हत्याएं बंद नहीं होतीं, मैंने ईरानी अधिकारियों के साथ सभी बैठकें रद्द कर दी हैं।" उन्होंने कहा कि ईरान में जो हो रहा है, वह अस्वीकार्य है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को जवाब देना होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने 'ईरानी देशभक्तों' को संबोधित करते हुए उनसे आंदोलन जारी रखने को कहा। उन्होंने कहा, "सभी ईरानी देशभक्तों से मेरी अपील है कि प्रदर्शन करते रहिए। अगर संभव हो तो अपनी संस्थाओं पर नियंत्रण हासिल कीजिए।" ट्रंप ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि दोषियों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।

वेनेजुएला के तेल पर अमेरिका का कब्जा, बेचा 50 करोड़ डॉलर का ऑयल; अमेरिका का भरेगा खाता

वॉशिंगटन – संयुक्त राज्य अमेरिका ने वेनेज़ुएला के क्रूड तेल की पहली बिक्री लगभग 500 मिलियन डॉलर की सफलतापूर्वक पूरी कर ली है, जो दोनों देशों के बीच इस महीने हुए लगभग 2 अरब डॉलर के ऊर्जा समझौते का हिस्सा है। इस सौदे के तहत अमेरिका ने वेनेज़ुएला के तेल को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचने की पहल शुरू की है, जिससे वॉशिंगटन के नियंत्रण में इस संपत्ति का व्यापार और राजस्व सृजन सुनिश्चित होगा।

सूत्रों के अनुसार यह राशि अमेरिका-नियंत्रित बैंक खातों में रखी गई है, जिसमें क़तर स्थित मुख्य खाता भी शामिल है, ताकि वित्तीय लेनदेन कानूनी जटिलताओं से मुक्त होकर सुचारू रूप से हो सके। अतिरिक्त बिक्री के लिए तैयारियाँ जारी हैं और आने वाले दिनों में और सौदे की उम्मीद जताई जा रही है।

अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार इस शुरुआती तेल बिक्री से हुई आय यूएस के नियंत्रण वाले बैंक खातों में रखी गई है,

जिनमें प्रमुख कतर में स्थित खाता भी शामिल है। इस खाते को न्यायिक या अन्य दावों से सुरक्षित रखने के लिए एक 'तटस्थ' स्थान के रूप में चुना गया है, ताकि इस धन पर कोई विवाद उत्पन्न न हो सके और यह सुलभ रूप से नियंत्रित रहे।

अमेरिका और वेनेज़ुएला के बीच यह ऊर्जा समझौता ऐसे समय में आया है जब दोनों देशों के बीच राजनीतिक और आर्थिक रणनीतियाँ गहन रूप से चल रही हैं। अमेरिकी प्रशासन की योजना यह भी है कि आने वाले हफ्तों और महीनों में और तेल बिक्री की जाएगी, जिससे वेनेज़ुएला की तेल संपदा का अंतरराष्ट्रीय बाजार में सक्रिय उपयोग हो सके।

यह सौदा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की विदेश नीति और ऊर्जा रणनीति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिनका मानना है कि वेनेज़ुएला के विशाल तेल संसाधनों का वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता लाने और अमेरिका तथा वेनेज़ुएला दोनों के हित में उपयोग किया जा सकता है। ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि यह कदम न केवल दोनो देशों को आर्थिक रूप से लाभान्वित करेगा, बल्कि वेनेज़ुएला की तेल अवसंरचना को पुनर्जीवित करने में भी मदद करेगा।

विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह की तेल बिक्री योजनाएँ वैश्विक ऊर्जा बाजार के संतुलन पर भी प्रभाव डाल सकती हैं और इससे तेल की भविष्य की कीमतें, निवेश प्रवाह तथा अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक साझेदारियों में बदलाव देखने को मिल सकता है। हालाँकि, वास्तविक प्रभाव और दीर्घकालिक नतीजे आने वाले समय में स्पष्ट होंगे।

महाराष्ट्र विशेष

कोकण > पश्चिम महाराष्ट्र > मराठवाड़ा > विदर्भ

नंदिग्राम टाईम्स

Friday 16th January 2026 वर्ष - 9 , अंक 261 , पृष्ठ 03

नांदेड मनपा चुनाव: धीमी शुरुआत के बाद शाम को लंबी कतारें, समय समाप्त होने पर कई मतदाता निराश

नांदेड, 15 जनवरी 2026 – नांदेड-वाघाळा महानगरपालिका की 81 सीटों के लिए आज मतदान प्रक्रिया शांत शुरुआत के बाद शाम को दिलचस्प मोड़ लेती हुई नजर आई। सुबह 7:30 बजे मतदान शुरू होने के बावजूद पहले कुछ घंटों में मतदाताओं की भागीदारी अपेक्षा से कम रही, जिससे पहले दो घंटों में केवल लगभग 7.16% मतदान रिकॉर्ड किया गया।

दोपहर तक मतदान की रफ्तार धीमी रही, लेकिन जैसे-जैसे समय बढ़ा, मतदान केंद्रों पर जनसमूह बढ़ने लगा। दोपहर के बाद शहर के कई मतदान केंद्रों के बाहर मतदाता लंबी कतारों में खड़े नजर आए। खासकर शाम के अंतिम घंटों में भारी भीड़ उमड़ी, जिससे कई मतदाताओं को अंत तक इंतजार करना पड़ा।

निर्वाचन अधिकारियों ने 5:30 बजे निर्धारित समय के अनुसार मतदान केंद्रों के गेट बंद कर दिए, जिसके कारण कतार में खड़े कई मतदाता समय समाप्त होने से मतदान नहीं कर पाए और निराशा जताई।

कुछ मतदाताओं ने सोशल मीडिया और स्थानीय मंचों पर यह भी उल्लेख किया कि उन्हें पैसे न मिलने के कारण मतदान से दूर रहना पड़ा, जो कि चुनावी माहौल में एक चर्चा का विषय बन गया है।

हालांकि, दिन के अंतिम कुछ घंटों में बढ़ी भागीदारी से उम्मीद जताई जा रही है कि कुल मतदान प्रतिशत बेहतर होगा, लेकिन शुरुआती सुस्ती के कारण कई मतदाता निराश दिखे।

'हिंद-दी-चादर' के जयघोष से गूंजेगा नांदेड-छात्रों की प्रभात फेरी से जनजागरण अभियान की शुरुआत प्रतियोगिता विजेताओं का मुख्यमंत्री के हाथों होगा सम्मान

प्रतियोगिता विजेताओं को मुख्यमंत्री करेंगे सम्मानित

लातूर, 15 जनवरी (विमाका):
धर्म, सत्य और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले 'हिंद-दी-चादर' श्री गुरु तेग बहादुर साहिबजी के 350वें शहीदी समागम वर्ष के उपलक्ष्य में नांदेड जिले में भव्य जनजागरण अभियान शुरू किया जा रहा है। इस ऐतिहासिक अवसर पर शिक्षा विभाग की ओर से 16 से 23 जनवरी तक जिलेभर के स्कूलों में विद्यार्थियों की प्रभात फेरियों के माध्यम से गुरु तेग बहादुर साहिबजी के त्याग, साहस और विचारों को नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाएगा।

नांदेड शहर के आसर्जन परिसर (मोदी ग्राउंड) स्थित सार्वजनिक निर्माण विभाग के मैदान में 24 और 25 जनवरी 2026 को इस भव्य शहीदी समागम का आयोजन किया गया है। इसी पृष्ठभूमि में "घर-घर और मन-मन तक" गुरु तेग बहादुर साहिबजी के संदेश पहुंचाने के उद्देश्य से विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

छात्र बनेंगे 'विचारदूत'

इतिहास को केवल पुस्तकों तक सीमित न रखते हुए, उसे व्यवहार और अनुभव के माध्यम से समझाने के लिए प्रभात फेरियों का आयोजन किया गया है। हाथों में प्रेरणादायी फलक और मुख से गूंजते जयघोष से वातावरण श्रद्धा और उत्साह से भर जाएगा। इसके साथ ही 25 जनवरी तक सभी विद्यालयों में दैनिक प्रार्थना सभा में गुरु तेग बहादुर साहिबजी के शौर्य पर आधारित गीतों का गायन तथा उनके जीवन पर आधारित डॉक्यूमेंट्री का विशेष प्रदर्शन किया जाएगा।

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को 'स्वर्ण अवसर'

विद्यार्थियों की कला और प्रतिभा को प्रोत्साहन देने के लिए तालुका और जिला स्तर पर विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। चित्रकला, गायन, निबंध और वक्तृत्व प्रतियोगिताएं 15 से 17 जनवरी के बीच तालुका स्तर पर होंगी।
जिला स्तरीय महाअंतिम वक्तृत्व प्रतियोगिता 20 जनवरी को 'गुरुग्रंथसाहेबजी भवन', सचखंड पब्लिक स्कूल के निकट, हिंगोली गेट, नांदेड में आयोजित की जाएगी। इन प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों का सम्मान मुख्य समारोह में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के कर-कमलों से किया जाएगा। सभी सहभागी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

डिजिटल माध्यम से व्यापक प्रचार

इस ऐतिहासिक शहीदी समागम की पहुंच बढ़ाने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का भी प्रभावी उपयोग किया जा रहा है। जिला प्रशासन ने नागरिकों और युवाओं से अपील की है कि वे #hinddichadar350 हैशटैग के माध्यम से कार्यक्रम से जुड़ी पोस्ट, फोटो और रील्स सोशल मीडिया पर साझा करें।

अधिक जानकारी के लिए

कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी gurutegbahadurshahidi.com वेबसाइट पर उपलब्ध है। विद्यालयों को अधिक जानकारी के लिए प्राथमिक शिक्षणाधिकारी वंदना फुटाणे, माध्यमिक शिक्षणाधिकारी माधव सलगार तथा शिक्षणाधिकारी (योजना) दिलीप बनसोडे, जिला परिषद नांदेड से संपर्क करने या ssananded1@gmail.com पर ई-मेल करने का आग्रह किया गया है।

(स्रोत ज़िला माहिती कार्यालय,नांदेड़)

'NOTA' को सबसे अधिक वोट मिलने पर महापालिका चुनाव में होगी फेर-निर्वाचन की प्रक्रिया

महाराष्ट्र (विशेष संवाददाता) – महाराष्ट्र में स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान यदि किसी प्रभाग में NOTA (None Of The Above) को सबसे अधिक मत मिलते हैं, तो उस प्रभाग की निवडणूक रद्द कर फेर-निर्वाचन कराया जाएगा। राज्य निर्वाचन आयोग के आदेश के अनुसार ऐसी स्थिति में नामांकन प्रक्रिया फिर से शुरू होगी और मतदाताओं को प्रतिनिधि चुनने का नया मौका मिलेगा। यह नियम महापालिका, नगर परिषद एवं नगर पंचायत स्तर पर लागू होगा।

आयोग ने स्पष्ट किया है कि अगर फेर-निर्वाचन में भी NOTA को सबse अधिक मत मिलते हैं, तो NOTA को छोड़कर दूसरे सबसे अधिक मत पाने वाले उम्मीदवार को विजयी घोषित किया जाएगा। इससे NOTA विकल्प को केवल प्रतीकात्मक मत नहीं रहकर वास्तविक लोकतांत्रिक प्रतिक्रिया का मार्ग मिलेगा। यह कदम मतदाताओं के असंतोष को प्रभावी तरीके से व्यक्त करने का अवसर प्रदान करने तथा चुनाव में भागीदारी और जवाबदेही बढ़ाने के उद्देश्य से उठाया गया है।

महानगरपालिका चुनाव अपडेट : मराठवाड्यात 58% से अधिक मतदान, प्रशासन ने कहा लोकतंत्र को मजबूती

छत्रपती संभाजीनगर, | (विशेष संवाददाता) – महाराष्ट्र में नगर निकाय चुनाव के दूसरे चरण के तहत आज मराठवाडा क्षेत्र में मतदाता उत्साह के साथ अपने मताधिकार का प्रयोग कर रहे हैं, जहां लगभग 58 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। इस मतदान प्रतिशत को लेकर चुनाव आयोग और प्रशासन ने इसे लोकतांत्रिक भागीदारी की मजबूती बताया है, जबकि कुछ स्थानों पर चुनाव प्रक्रिया के दौरान गैरकानूनी गतिविधियाँ भी सामने आई हैं।

सुबह से शुरू हुए मतदान के दौरान मतदाता निरंतर मतदान केंद्रों पर पहुँचे और विशेषकर दोपहर से शाम तक मतदान प्रतिशत में तेजी से वृद्धि देखने को मिली। मराठवाडा के कई प्रमुख शहरों के मतदान केंद्रों में नागरिकों ने लाइनें लगाकर शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित किया।

इस चरण में कुल 29 महानगरपालिका और नगर परिषदों के लिए वोट डाले जा रहे हैं, जिसमें मराठवाडा के अनेक जिलों के मतदाता शामिल हैं।

हालाँकि मतदान की सामान्य प्रक्रिया के बीच प्रशासन को कुछ चैलेंजों का सामना भी करना पड़ा। लातूर के कुछ हिस्सों में मतदाताओं को नया वस्त्र (साड़ियां) वितरण करते पाए जाने पर पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया, जबकि नांदेड में मतदाताओं को पैसे बाँटते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसने चुनाव की निष्पक्षता को लेकर सवाल उठाए। इन दोनों मामलों पर जिला प्रशासन गहन जांच कर रहा है और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

चुनाव अधिकारियों ने कहा कि मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित रूप से जारी है, और किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोकने के लिए पर्याप्त सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था लागू की गई है। इस चरण में सभी मतदान केंद्रों पर ईवीएम (इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन) के साथ-साथ स्ट्रांग रूम में सुरक्षा व्यवस्था विशेष रूप से कड़ी रखी गई है, ताकि मतगणना के बाद कोई विवाद न उठे।

स्थानीय प्रशासन के अनुसार, मतदान प्रतिशत अंतिम आंकड़े शाम तक और बढ़ सकते हैं, क्योंकि कई मतदाता शाम के सत्र में बूथों पर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। इस तरह की मजबूत भागीदारी को लेकर चुनाव आयोग ने कहा है कि यह लोकतंत्र की जड़ों को और भी मजबूत बनाता है। अगले कुछ दिनों में मतदान के औपचारिक आंकड़े और विस्तृत रिपोर्ट जारी की जाएगी।

पहले पति के रहते दूसरे पुरुष से जन्मे बच्चों को मानता है पहले पति का; हाई कोर्ट का अहम फैसला

बिलासपुर (विशेष संवाददाता) – छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने एक अहम निर्णय में कहा है कि जब पहली वैध शादी अभी भी कायम है, तो उस दौरान किसी महिला के दूसरे पुरुष से जन्मे बच्चों को कानूनी तौर पर पहले पति की संतान माना जाएगा। अदालत ने यह स्पष्ट किया कि भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 112 के तहत, विवाह के दौरान जन्मे बच्चों की वैधता पहले पति से जुड़ी मानी जाती है, चाहे अन्य पुरुष उन्हें अपनी संतान स्वीकार करे या महिला उसके साथ लिव-इन में रही हो। ऐसे बच्चे को पहले पति का ही विधिक संतान माना जाएगा जब तक यह साबित न हो कि गर्भधारण के समय पति-पत्नी के बीच "कोई पहुँच (access)" नहीं थी, जो कि मेडिकल और कानूनी साक्ष्य के साथ साबित होना आवश्यक है। इस दौरान अदालत ने यह भी कहा कि केवल व्यक्तिगत स्वीकारोक्ति या लंबे समय तक साथ रहने से वैधता स्थापित नहीं होती। अदालत ने यह निर्णय पारिवारिक और उत्तराधिकार मामलों में संतानों की पहचान और सामाजिक स्थिरता बनाए रखने के उद्देश्य से दिया है।

महाराष्ट्र चुनाव आयोग ने पेन से उंगली मार्क करने पर सफाई दी, दोबारा वोटिंग की आशंका को खारिज किया

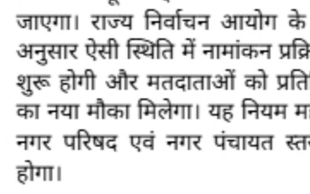

मुंबई (विशेष संवाददाता) – महाराष्ट्र में चल रहे नगर निकाय चुनावों के दौरान मतदाता की उंगली पर वोट देने के बाद पेन से मार्किंग किए जाने को लेकर विवाद उठने पर राज्य निर्वाचन आयोग (SEC) ने अपना स्पष्ट उत्तर दिया है। मनसे प्रमुख राज ठाकरे सहित कई विपक्षी नेताओं ने दावा किया कि मतदान के बाद उंगली पर जो मार्क लगाया जा रहा है वह इंडलेबल स्याही नहीं बल्कि पेन/मार्कर से है, जिसे आसानी से मिटाया जा सकता है, जिससे एक व्यक्ति कई बार मतदान कर सकता है जैसी आशंका जताई गई।

इसी पर राज्य चुनाव आयोग ने कहा है कि स्याही को मिटाकर दोबारा वोट डालना संभव नहीं है। आयोग ने स्पष्ट किया कि मतदाता के वोट डाले जाने का रिकॉर्ड रखा जाता है, और स्याही हटाने से दोबारा मतदान की अनुमति नहीं मिलेगी। अगर कोई व्यक्ति जानबूझकर स्याही मिटाने का प्रयास करता है और फिर वोट देने आता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कारवाई की जाएगी।

निर्वाचन आयुक्त ने यह भी बताया कि स्थानीय निकाय चुनावों में 2011 से ही मार्कर पेन का उपयोग होता आ रहा है और इसे स्याही लगाने का पारंपरिक तरीका माना जाता है। आयोग ने संबंधित अधिकारियों को भी इस बात पर सतर्क रहने और मतदाताओं को भ्रमित न करने के निर्देश दिए हैं।

सोलापुर (विशेष संवाददाता) – सोलापुर नगर निकाय चुनाव 2026 के एग्जिट पोल के प्रारंभिक रुझानों ने राजनीतिक माहौल को गरमा दिया है।

सोलापुर चुनाव एग्जिट पोल 2026: भाजपा 62 सीटों के साथ सरकार बनाने की राह पर, प्रणिती शिंदे को मतदाता का कम साथ

एग्जिट पोल परिणाम के अनुसार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अकेले लगभग 62 सीटें जीतने की संभावना रखते हुए नगर पालिका में सरकार बनाने की स्थिति में नजर आ रही हैं। इसके विपरीत, सोलापुर में सिद्धार्थनगर समिति की प्रमुख प्रत्याशी प्रणिती शिंदे को मतदाताओं के बीच अपेक्षित समर्थन नहीं मिल रहा है, जिससे राजनीतिक समीकरणों में बड़े बदलाव का संकेत मिलता है।

समाचार एजेंसी रिपोर्टों के अनुसार, एग्जिट पोल में सामने आया है कि भाजपा को मतदाताओं के बीच खासा समर्थन प्राप्त हुआ है, जिससे वह अकेले बहुमत के करीब पहुंचने की स्थिति में है। हालांकि, यह उल्लेखनीय है कि एग्जिट पोल केवल मतदान के बाद मतदाताओं की प्राथमिकताओं और रुझानों का अनुमान लगाते हैं, वास्तविक परिणामों की पुष्टि तब होगी जब आधिकारिक परिणामों की घोषणा होगी।

राजनीति विशेषज्ञों का मानना है कि भाजपा के मजबूत आधार और चुनावी रणनीति ने स्थानीय मतदाताओं में सकारात्मक प्रतिक्रिया पैदा की है, जिससे पार्टी को अधिक सीटों पर बढ़त मिल सकती है। वहीं दूसरी ओर, प्रणिती शिंदे की उम्मीदवारी को लेकर मतदाता प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत कमजोर रही, जिससे उनके पक्ष में पर्याप्त प्रभावी जनादेश नहीं बन पाया, जैसा कि एग्जिट पोल के आंकड़े संकेत दे रहे हैं।

सर्वेक्षणों के आंकड़ों पर नजर डालें तो सोलापुर की राजनीति में पिछले कुछ महीनों में कई रणनीतिक बदलाव देखे गए हैं, जिसमें भाजपा ने स्थानीय मुद्दों और जनहित के वादों को मुख्य रूप से रेखांकित किया, जिससे मतदाता व्यवहार में बदलाव आया। इसके साथ ही, कुछ विश्लेषकों का कहना है कि समर्थकों के बीच भाजपा के सामाजिक और आर्थिक प्रतिबद्धताओं को लेकर सकारात्मक धारणा बनी है, जिससे पार्टी को संभावित बढ़त मिल सकती है।

हालांकि चुनावी माहौल हमेशा अंतिम आधिकारिक परिणाम तक खुला रहता है, जो कि परिणामों की गणना के बाद घोषित किया जाएगा। सियासी पर्यवेक्षकों के मुताबिक, सोलापुर में एग्जिट पोल के इस अनुमान ने विपक्षी दलों और विश्लेषकों के बीच राजनीतिक चर्चा को तेज किया है, और मतगणना के दिन तक राजनैतिक विमर्श का तापमान बना रहेगा।

निर्णयात्मक मतदान परिणाम आने के बाद ही स्पष्ट होगा कि भाजपा वाकई में अकेले सरकार बना पाती है या अन्य दलों के साथ गठबंधन की आवश्यकता पड़ेगी। अधिकांश दल अपनी रणनीतियों को अंतिम परिणामों के हिसाब से पुन: स्थापित कर रहे हैं, ताकि आगामी शासकीय कार्यों और विकास संबंधी योजनाओं पर जोर दिया जा सके।

नांदेड़ वॉक्स

नांदेड़ जिला > नांदेड़ शहर

नंदिग्राम टाईम्स

Friday 16th January 2026 वर्ष - 9 , अंक 261 , पृष्ठ 04

नांदेड मनपा चुनाव: मतदान शुरू हुआ, लेकिन सुबह मतदाताओं में उत्साह दिखा फीका

नांदेड : आज नांदेड महानगरपालिका के २० प्रभागों में ८१ सीटों के लिए मतदान का प्रथम चरण सुबह 7:30 बजे से शुरू हो गया। लेकिन जैसे ही चुनावी प्रक्रिया का पहला सत्र चला, मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की भागीदारी अपेक्षा से कम रही। सुबह 9:30 बजे तक केवल 7.16% मतदाताओं ने ही अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिससे सुबह का माहौल शांत और बेरंग दिखा।

कुल ४९१ उम्मीदवारों मैदान में होने के बावजूद कई मतदान केंद्रों पर मतदाता भीड़ का अभाव रहा और कई बूथों पर शुक-शुकाट जैसा माहौल देखा गया। प्रशासन और निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता जागरूकता के प्रयास किए जाने के बाद भी सुबह सत्र में उत्साह का अभाव साफ नजर आया।

विशेषज्ञों और विश्लेषकों का मानना है कि सुबह के शांत माहौल के बावजूद मतदान का अंतिम प्रतिशत बढ़ सकता है, क्योंकि अक्सर मतदाता दोपहर और शाम के समय अधिक संख्या में मतदान केंद्रों पर पहुँचते हैं। इसके चलते दुपहर बाद जनता की भागीदारी तथा उत्साह में बढ़ोतरी होने की उम्मीद जताई जा रही है।

स्थानीय प्रशासन ने कहा है कि पूरा ध्यान मतदाताओं को मतदान केंद्र तक लाने और मतदान प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने पर है, ताकि संपूर्ण मतदान प्रक्रिया निष्पक्ष एवं प्रभावी रहे। वहीं राजनीतिक दलों की नजरें भी दुपहर और शाम के सत्र पर हैं, यह देखने के लिए कि क्या मतदान का प्रतिशत सुबह की धीमी शुरुआत के बाद बढ़ता है या नहीं।

नांदेड क्राइम : महिला उम्मीदवार के पति पर जानलेवा हमला, जांच में चौंकाने वाली जानकारी; हमला राजनीतिक नहीं बल्कि...

नांदेड (विशेष संवाददाता) – नांदेड नगर निगम चुनाव से महज कुछ घंटे पहले कांग्रेस की महिला उम्मीदवार सारिका भालेराव के पति शिवाजी भालेराव पर एक भयावह हमला हुआ, जिससे चुनावी माहौल में भारी तनाव फैल गया है। यह दर्दनाक घटना वार्ड न.1 के बाहर मंगलवार देर रात उस वक्त घटी, जब शिवाजी भालेराव अपने घर के सामने बैठे थे। अचानक छह नकाबपोश हमलावर मोटरसाइकिलों पर आए और तेज धारदार हथियारों से उन पर हमला कर दिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक यह हमला चुनावी हिंसा का हिस्सा हो सकता है।

हमलावरों ने तलवारबाजी करते हुए शिवाजी पर ताबड़तोड़ वार करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने एक कुरसी का उपयोग कर खुद को तुरंत बचाया, जिससे किसी बड़े कटघात से बचाव संभव हो पाया। स्थानीय निवासियों की तत्परता ने भी हमलावरों को भागने पर मजबूर कर दिया। घटना के बाद घायल शिवाजी को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहाँ उनका इलाज चल

रहा है और स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

घटना ने नगर निगम चुनाव के संवेदनशील और तनावपूर्ण माहौल को और अधिक भड़का दिया है। वार्ड वासियों में खौफ का माहौल है और कई मतदाता अब चुनावी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। नांदेड पुलिस ने इस हमले के तुरंत बाद सीसीटीवी कैमरों की फुटेज जांच, आँखों ने देखा गवाहों के बयान, तथा अन्य तकनीकी सबूतों को इकट्ठा कर विशेष जांच दल गठित कर दिया है, ताकि आरोपियों की पहचान कर उन्हें शीघ्र गिरफ्त में लिया जा सके।

इस हमले की निंदा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं नांदेड लोकसभा सांसद रविंद्र चव्हाण ने की है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान ऐसी हिंसा लोकतंत्र के मूल्यों पर सीधा हमला है, और दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया है कि भालेराव परिवार को निर्वाचन प्रक्रिया के समाप्त होने तक पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाए।

हमले के बाद नांदेड में भारी पुलिस तैनाती और चौकसी बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने सभी संवेदनशील क्षेत्रों में गश्त तेज कर दी है, ताकि किसी तरह की अप्रिय घटना से पहले ही निपटा जा सके। चुनाव से ठीक पहले इस प्रकार की हिंसा से मतदाताओं में भय का माहौल बना है, जिससे मतदान प्रक्रिया पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

स्थानीय लोगों और नेताओं ने आशा जताई है कि सुरक्षा व्यवस्था और कड़े पुलिस एक्शन से न केवल हमलावरों को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा बल्कि नांदेड के शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित किया जा सकेगा।

ठाणे महापालिका चुनाव में मतपेटी विवाद: वार्ड 3 में बस रोकी, तनाव बढ़ा

ठाणे (विशेष संवाददाता) – ठाणे महापालिका चुनाव के बाद वार्ड 3 में मतपेटियों को ले जा रही बस को रोककर शिंदे सेना के पदाधिकारियों और समर्थकों ने आधा घंटा रोके रखा, जिससे गंभीर तनाव पैदा हुआ। आरोप था कि बस में अनधिकृत लोगों ने मतपेटियाँ उठाई हैं और सुरक्षित गंतव्य तक नहीं ले जाया जा रहा। पुलिस मौके पर पहुंची और बस को समय के बाद रवाना कराया गया।

घटना मानपाडा इलाके की सेंट जेव्हियर्स स्कूल के निकट घटी, जहां से मतपेटियाँ मतगणना केंद्र तक ले जाई जा रही थीं। इस दौरान शिंदे सेना और अपक्ष उम्मीदवारों के समर्थक आमने-सामने आए, जिससे तनाव का माहौल बन गया। घटना के बाद स्थानीय निवडणूक प्राधिकारी और पुलिस दोनों ने स्थिति नियंत्रण में ली। इस घटना से पहले ठाणे के प्रभाग 1 में भी मतपेटियों का बिना सुरक्षा के घुमाया जाना दर्शाते हुए एक वीडियो वायरल हुआ, जिससे विवाद और बढ़ा है। अधिकारी इन मामलों की गहन जांच कर रहे हैं। (

छत्रपती संभाजीनगर चुनाव ड्यूटी लापरवाही: 155 सरकारी कर्मचाऱ्यां पर FIR, प्रशासन की कड़ी कार्रवाई

छत्रपती संभाजीनगर (विशेष संवाददाता) – नगर पालिका चुनाव के बीच छत्रपती संभाजीनगर में चुनाव ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले 155 सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ FIR दर्ज की गई है, जिससे प्रशासनिक स्तर पर बड़े पैमाने पर सख्ती का संदेश गया है। इस कदम से स्पष्ट हुआ है कि चुनाव प्रक्रिया में ड्यूटी टालने को गंभीर अपराध माना जा रहा है और ऐसे कर्मियों पर अब कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

स्थानीय समाचार रिपोर्टों के अनुसार, चुनाव प्रशासन और पुलिस ने संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की है। आरोप है कि उक्त 155 कर्मचारियों ने निर्धारित चुनाव ड्यूटी पर समय पर हाज़िरी नहीं लगाई और नियत जिम्मेदारियों से बचने का प्रयास किया। इनके खिलाफ 'लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951' की धारा 134 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस शिकायत सिटी चौक थाना में दर्ज कराई गई, जिसमें 56 प्रेसीडिंग अधिकारी, 24 पोलिंग अधिकारी PO1, 50 पोलिंग अधिकारी PO2 और 25 पोलिंग अधिकारी PO3 सहित कुल 155 अधिकारियों का नाम शामिल है, जिन्होंने 14 जनवरी को सुबह 10 बजे से ड्यूटी से अनुपस्थित रहने का आरोप सामना किया।

प्रशासन के अनुसार इन कर्मियों की गैरहाजिरी से चुनाव व्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव पड़ा और मतदान केंद्रों पर ड्यूटी कर्मियों की कमी के कारण प्रशासन को संसाधन पुनर्व्यवस्थित करना पड़ा। चुनाव अधिकारीयों ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया के इस महत्वपूर्ण चरण में सभी कर्मियों की उपस्थिति आवश्यक थी ताकि मतदान और चुनाव संचालन सुचारू रूप से जारी रह सके।

छत्रपती संभाजीनगर महानगरपालिका के सहाय्यक आयुक्त उदय दिगंबरराव मानवतकर ने शिकायत दर्ज करवाई और कहा कि ऐसा गैर-जिम्मेदाराना रवैया कार्यपालिका और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति गंभीर अवज्ञा है। उन्होंने यह भी कहा कि जिम्मेदारी से बचने वाले कर्मियों के खिलाफ निलंबन और अन्य प्रशासनिक सख्ती भी की जा सकती है। इस मामले ने प्रशासन और चुनाव विभाग में खलबली मचा दी है, क्योंकि चुनाव ड्यूटी के दौरान कर्मचारियों की अनुपस्थिति से मतदाता सेवा, मतदान संचालन औरादिकारियों का बोझ बढ़ गया। उल्लेखनीय है कि सामान्यत: चुनाव ड्यूटी में शामिल कर्मचारी प्रशिक्षण से लेकर मतदान केंद्रों पर सुरक्षा, EVM संचालन और मतदाता सहायता जैसे कार्यों में तैनात रहते हैं।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चुनाव कानून के उल्लंघन को बख्शा नहीं जाएगा और भविष्य में भी ऐसी किसी भी लापरवाही पर कड़ी कानूनी कार्रवाई जारी रखी जाएगी। वहीं पुलिस भी इस मामले की जांच कर रही है और दोषी पाए गए कर्मचारियों पर आगे की कार्रवाई के विकल्पों पर विचार कर रही है।

इस घटना से यह संदेश जाता है कि चुनाव ड्यूटी को नजरअंदाज करना अब महज प्रशासनिक गलती नहीं, बल्कि गंभीर विधिक अपराध माना जा रहा है, जो चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता को बनाए रखने के लिए आवश्यक कदम है।

पिंपरी-चिंचवड महापालिका चुनाव: 58% मतदान, 692 उम्मीदवारों का भविष्य ईवीएम में बंद

पिंपरी-चिंचवड : गुरुवार को पिंपरी-चिंचवड महापालिका चुनाव में सरासरी 58% मतदान दर्ज हुआ। 32 प्रभागों में 128 स्थाओं में से दो सीटें बिनविरोध चुनी गईं, और शेष 126 सीटों के लिए कुल 692 उम्मीदवारों का भाग्य मतदान यंत्र (ईवीएम) में बंद हो गया है। मतदान सुबह 7:30 बजे शुरू हुआ और शाम तक शांतिपूर्ण रूप से पूरा हुआ, हालांकि ईवीएम मशीनों में तकनीकी गड़बड़ियां और मोबाइल फोन ले जाने पर विवाद भी कुछ मतदान केंद्रों पर देखने को मिले।

मतदाता सूची के अनुसार महापालिका क्षेत्र में लगभग 17.13 लाख मतदाता हैं, जिनमें पुरुष, महिला और अन्य श्रेणियों के मतदाता शामिल हैं। कुल 2,067 मतदान केंद्रों पर प्रक्रिया चलायी गयी, और जैसे-जैसे दिन आगे बढ़ा, मतदान का प्रतिशत हौले-हौले बढ़ता गया।

सुबह के शुरुआती घंटों में कुछ जगह ईवीएम खराब होने के कारण मतदान में देरी हुई, लेकिन अधिकारियों ने पर्यायी यंत्र उपलब्ध कराकर मतदान सुचारू रखा। नियमों के तहत मतदान केंद्रों पर मोबाइल फोन की मनाही को लेकर कुछ मतदाताओं ने असंतोष व्यक्त किया, परंतु पोलिस और प्रशासन के हस्तक्षेप से शांति बनी रही।

बीएमसी चुनाव एग्जिट पोल 2026 : महायुती को बहुमत का अनुमान, ठाकरे गुट को कड़ी टक्कर

NEWS AGENCY

मुंबई – मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव 2026 के एग्जिट पोल के नतीजे सामने आए हैं, जिनमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)-एकनाथ शिंदे शिवसेना (महायुती) को बहुमत के करीब पहुंचते संकेत मिले हैं। यह चुनाव 9 वर्षों के बाद बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि पारंपरिक तौर पर ठाकरे परिवार का प्रभाव बीएमसी में गहरा रहा है।

एग्जिट पोल रिपोर्टों के अनुसार महायुती गठबंधन 114 सीटों के बहुमत लक्ष्य के करीब पहुंच सकता है। साम टीवी के एक्जिट पोल में महायुती को मज़बूत स्थिति में बताया गया है और दावा है कि सत्ता के लिए काँटे की टक्कर बन रही है।

वहीं, ठाकरे बंधुओं (उद्धव ठाकरे-राज ठाकरे) और उनके सहयोगी दलों के बीच गठबंधन मजबूत प्रयास कर रहा है, पर एग्जिट पोल संकेत देते हैं कि उन्हें अपेक्षित सीटों की संख्या हासिल नहीं हो सकती। इससे यह चुनाव राजनीतिक प्रतिष्ठा की सीधी टक्कर बन चुकी है।

इस चुनाव में विपक्षी गठबंधन में शिवसेना (UBT), MNS (महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना) और NCP (Sharad Pawar faction) शामिल हैं, जबकि महायुती में भाजपा और शिंदे-समर्थित शिवसेना मुख्य दल हैं। विभिन्न सर्वे में महायुती को सीटों की बढ़त दी जा रही है, जिससे यह संभावना जताई जा रही है कि बीएमसी में सत्ता का संतुलन बदल सकता है।

हालांकि, एग्जिट पोल सिर्फ अनुमान हैं, और वास्तविक परिणाम 16 जनवरी 2026 को मतगणना के बाद ही स्पष्ट होंगे, जब प्रत्येक वार्ड में पार्षदों की संख्या तय होगी।

इस चुनाव को मुंबई के राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है, क्योंकि लंबे समय तक ठाकरे-नियंत्रित चेहरा अब भाजपा-शिंदे गठबंधन की चुनौती का सामना कर रहा है।

BMC एग्जिट पोल : फडणवीस की भविष्यवाणी पर पुख्ता संकेत, राज-उद्धव गुट को बड़ा झटका

मुंबई (विशेष संवाददाता) – बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) 2026 के लिए जारी एग्जिट पोल के नतीजे राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गए हैं, जिनसे यह संकेत मिल रहा है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा पहले की गई भविष्यवाणी सही साबित होती दिख रही है। प्रमुख सर्वे के अनुसार भाजपा-एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले महायुति गठबंधन को स्पष्ट बहुमत मिलने की संभावना व्यक्त की जा रही है, जबकि उद्धव ठाकरे-राज ठाकरे के संयुक्त गुट को बड़ा झटका लग सकता है।

एक्जिट पोल में Axis My India के मुताबिक महायुति को 131 से 151 सीटें मिलने का अनुमान जताया गया है, जबकि ठाकरे बंधुओं के गठबंधन को 58 से 68 सीटों के बीच ही सीमित रहने की संभावना दिखाई दे रही है। इसी तरह JVC पोल में भी भाजपा-शिंदे गुट को 138 सीटों तक का लाभ मिलने की बात कही गई है, जबकि ठाकरे गुट, कांग्रेस और अन्य पार्टियों की सीटों में अपेक्षित कमी दिखाई गई है।

इन अनुमानों से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि महायुति गठबंधन 227 सदस्यीय बीएमसी में बहुमत के आंकड़े 114 से काफी ऊपर जा सकता है, जिससे भाजपा-शिंदे शिवसेना को सत्ता में मजबूत स्थिति मिल सकती है। इससे पहले फडणवीस ने चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में कहा था कि महायुति बीएमसी में निर्णायक जीत हासिल करेगी, और एग्जिट पोल के इन रुझानों को देखकर ऐसा अनुमान लगाना कठिन नहीं है कि उनकी बात सही दिशा में जा रही है।

राज ठाकरे की मनसे और उद्धव ठाकरे की शिवसेना-UBT की साझेदारी के बावजूद भी एग्जिट पोल इन दलों को अपेक्षित समर्थन नहीं दे रहे हैं, जो राजनीतिक समीकरणों में बदलाव का संकेत है। विशेषज्ञों के अनुसार एग्जिट पोल केवल अनुमान हैं, और अंतिम निर्णय मतगणना के बाद ही स्पष्ट होगा, लेकिन फिलहाल आंकड़े इस बात की ओर इशारा कर रहे हैं कि महायुति को बड़ी सफलता मिलने की संभावना है।

इससे पहले बीएमसी का नियंत्रण लंबे समय तक ठाकरे गुट की पार्टी के पास रहा है, लेकिन इस बार की स्थिति बदलती दिखाई दे रही है, जिससे मुंबई की राजनीति में सत्ता संतुलन में बड़ा बदलाव संभव है।

बीएमसी चुनाव 2026: मतगणना आज से, महापौर कौन बनेगा — महायुती या ठाकरे बंधु?

मुंबई – बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) 2026 के लिए गुरुवार, 15 जनवरी 2026 को सफलतापूर्वक मतदान संपन्न हो गया और अब आज 16 जनवरी 2026 से मतगणना शुरू हो गई है। 227 प्रभागों के लिए हुए चुनाव में 1,729 से अधिक उम्मीदवार मैदान में थे, और मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग शांतिपूर्ण ढंग से किया। अब परिणाम के लिए 23 मतगणना केंद्रों पर कार्यवाही जारी है, जिससे अंततः यह स्पष्ट होगा कि मुंबई का महापौर किसके पक्ष में आएगा।

यह चुनाव राजनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि पारंपरिक रूप से शिवसेना का प्रभाव मुंबई महापालिका में रहा है, लेकिन इस बार महायुती (भाजपा-शिंदे शिवसेना) और ठाकरे बंधुओं के गठबंधन के बीच कड़ी टक्कर देखी जा रही है। 2017 के पिछले चुनाव में शिवसेना का जोर था, पर अब दोनों ओर से सियासी प्रचार और रणनीति जोरों पर थी।

मतगणना सुबह 10 बजे से शुरू हुई और धीरे-धीरे हर वार्ड के लिए परिणाम सामने आने लगे। मतगणना की प्रक्रिया में बैलट पेटियों और ईवीएम मशीनों से मत निकालकर गिना जा रहा है, और प्रत्येक प्रभाग के परिणाम से कुल संख्या 114 सीटों के बहुमत की ओर कदम बढ़ रहे हैं या नहीं, इस पर सबकी नजरें टिकी हैं।

बीएमसी की यह चुनाव प्रक्रिया मुंबई की राजनीति का सबसे प्रतिष्ठित लोक द्वन्द्व बन चुकी है। महापौर पद मात्र नगरपालिका का नेतृत्व नहीं; यह दिले-दहला देने वाला सत्ता-संतुलन का संकेत भी देता है। ठाकरे बंधुओं की युति और महायुती दोनों ने भारी मेहनत की है, और मतगणना के अंतिम परिणाम से ही यह स्पष्ट होगा कि कौन सी पार्टी मुंबई महानगरपालिका का नियंत्रण हासिल करेगी।

मतगणना के परिणाम आज शाम तक आ जाने की संभावना है, जिससे यह स्पष्ट हो जाएगा कि महापौर महायुति गठबंधन के हाथ में जाएगा या ठाकरे गठबंधन सफल होगा। इस बार के चुनाव नतीजे मुंबई के राजनीतिक भविष्य पर गहरा प्रभाव डाल सकते हैं।

स्वाधिकारी नंदिग्राम टाईम्स (नांदेड़) के मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक शेख जहूर शेख अहेमद द्वारा सहारा डिजाइनिंग एंड ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, वाजेगांव, ता. व जि. नांदेड़ में मुद्रित तथा दैनिक नंदिग्राम टाईम्स, मुल्लाह मार्केट, खवी बिल्डिंग, नगरेश्वर मंदिर, नांदेड़–431604 (महाराष्ट्र) के कार्यालय से प्रकाशित। RNI-MAHHIN/2016/69743 मोबाइल संपर्क: 9921100075 | Email: ntinfodesk@gmail.com (वाद-विवाद हेतु न्यायक्षेत्र: नांदेड़ न्याय कक्षा में।)